CBSE Class 8 Social Science Important Questions Civics Chapter 3 – संसद तथा कानूनों का निर्माण

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न-

प्रश्न 1.
भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने विधायिका में निर्वाचित सदस्य होने की मांग कब रखी?
उत्तर:
सन् 1885 में।

प्रश्न 2.
सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार से क्या आशय है?
उत्तर:
सभी वयस्क नागरिकों को वोट देने का अधिकार।

प्रश्न 3.
भारतीय संसद के लिए निर्वाचित प्रतिनिधि क्या कहलाता है?
उत्तर:
सांसद।

प्रश्न 4.
भारतीय संसद के लिए निर्वाचित सदस्यों की अधिकतम संख्या क्या है?
उत्तर:
543 निर्वाचित सदस्य।

प्रश्न 5.
लोकतंत्र के पीछे मूल सोच क्या होती है?
उत्तर:
लोकतंत्र के पीछे मूल सोच यह होती है कि व्यक्ति या नागरिक ही सबसे महत्वपूर्ण है।

प्रश्न 6.
भारतीय संसद लोकतंत्र के किन सिद्धान्तों में भारतीय जनता की आस्था का प्रतीक है?
उत्तर:
लोकतंत्र के ये सिद्धान्त हैं-

- निर्णय प्रक्रिया में जनता की हिस्सेदारी और
- सहमति पर आधारित शासन।

https://www.evidyarthi.in/

प्रश्न 7.
भारतीय संसद के कितने अंग हैं?
उत्तर:
भारतीय संसद के तीन अंग हैं-

- राष्ट्रपति
- राज्य सभा और
- लोकसभा।

प्रश्न 8.
कौनसे राजनीतिक दल विपक्षी दल कहलाते हैं?
उत्तर:
संसद में बहुमत प्राप्त करने वाले दल या गठबंधन का विरोध करने वाले सभी राजनीतिक दल विपक्षी दल कहलाते हैं।

प्रश्न 9.
कार्यपालिका किसे कहते हैं?
उत्तर:
कार्यपालिका ऐसे लोगों का समूह होती है जो संसद द्वारा बनाए गए कानूनों को लागू करने के लिए मिलकर काम करते हैं।

प्रश्न 10.
राज्यसभा के सदस्यों का चुनाव कौन करता है?
उत्तर:
राज्यसभा के सदस्यों का चुनाव विभिन्न राज्यों की विधानसभाओं के निर्वाचित सदस्य करते हैं।

लघूत्तरात्मक प्रश्न-

प्रश्न 1.
स्पष्ट कीजिये कि सहमति का विचार लोकतंत्र का प्रस्थान बिन्द होता है।
उत्तर:
सहमति का अर्थ है-चाह, स्वीकृति और लोगों की हिस्सेदारी। लोगों का निर्णय ही लोकतांत्रिक सरकार का गठन करता है और उसके काम-काज के बारे में फैसला देता है। इसके पीछे मूल सोच यह होती है कि व्यक्ति या नागरिक ही सबसे महत्वपूर्ण है और सैद्धान्तिक स्तर पर सरकार एवं अन्य सार्वजनिक संस्थानों में इन नागरिकों की आस्था होनी चाहिए। इससे स्पष्ट होता है कि सहमति का विचार लोकतंत्र का प्रस्थान बिन्दु है।

प्रश्न 2.
व्यक्ति सरकार को अपनी मंजूरी कैसे देता है?
उत्तर:
व्यक्ति चुनाव के माध्यम से सरकार को अपनी मंजूरी देता है। लोग संसद के लिए अपने प्रतिनिधियों का चुनाव करते हैं। इन्हीं निर्वाचित प्रतिनिधियों में से एक समूह सरकार बनाता है। जनता द्वारा चुने गये सभी

https://www.evidyarthi.in/

प्रतिनिधियों के समूह को संसद कहते हैं। संसद सरकार को नियंत्रित करती है और उसका मार्गदर्शन करती है। इस प्रकार अपने निर्वाचित प्रतिनिधियों के माध्यम से ही लोग सरकार बनाते हैं और उस पर नियंत्रण रखते हैं।

प्रश्न 3.
भारत में सरकार का निर्माण किस प्रकार होता है?
उत्तर:
लोकसभा में बहुमत प्राप्त राजनैतिक दल सरकार बनाता है। यदि लोकसभा में किसी एक राजनैतिक दल को स्पष्ट बहुमत नहीं मिलता है तो कई राजनैतिक दल मिलकर बहुमत का दावा करते हैं। बहुमत प्राप्त दल या गठबंधन का नेता राष्ट्रपति के सम्मुख सरकार बनाने का दावा प्रस्तुत करता है और राष्ट्रपति उसे प्रधानमंत्री नियुक्त करता है। प्रधानमंत्री की सलाह से राष्ट्रपति अन्य मंत्रियों की नियुक्ति करता है। इस प्रकार भारत का प्रधानमंत्री लोकसभा में सत्ताधारी दल का मुखिया होता है।

प्रश्न 4.
राज्यसभा की भूमिका को स्पष्ट कीजिये।
उत्तर:
राज्यसभा भारतीय संसद का उच्च या द्वितीय सदन है। यह सभा देश के राज्यों की प्रतिनिधि के रूप में काम करती है। इसके प्रमुख कार्य ये हैं-

- राज्यसभा भी कोई कानून बनाने का प्रस्ताव प्रस्तुत कर सकती है।
- किसी विधेयक को कानून के रूप में लागू करने के लिए यह जरूरी है कि उसे राज्यसभा की भी मंजूरी मिल चुकी हो।
- राज्यसभा लोकसभा द्वारा पारित कानूनों की समीक्षा करती है और अगर ज़रूरत हुई तो उसमें संशोधन करती है।

प्रश्न 5.
प्रश्नकाल क्या है?
उत्तर:
प्रश्नकाल-जब संसद का सत्र चल रहा होता है तो उसमें सबसे पहले प्रश्नकाल होता है। प्रश्नकाल एक महत्वपूर्ण व्यवस्था है। इसके माध्यम से सांसद सरकार के कामकाज के बारे में जानकारियाँ हासिल करते हैं। इसके माध्यम से संसद कार्यपालिका को नियंत्रित करती है। इसमें पूछे जाने वाले विभिन्न प्रश्नों के माध्यम से सरकार को उसकी खामियों के प्रति आगाह किया जाता है। इसमें विपक्षी दल सरकार की नीतियों और कार्यक्रमों की कमियां सामने लाते हैं। सांसदों के प्रश्नों से सरकार को भी महत्वपूर्ण फीडबैक मिलता है।

प्रश्न 6.
संसद में कौन लोग होते हैं?
उत्तर:
संसद में विभिन्न पृष्ठभूमि के लोग होते हैं। वर्तमान में संसद में शहरी पृष्ठभूमि वाले तथा ग्रामीण पृष्ठभूमि वाले दोनों तरह के लोग हैं। इसमें राष्ट्रीय राजनीतिक दलों तथा क्षेत्रीय राजनैतिक दलों दोनों के सदस्य हैं। इसमें

https://www.evidyarthi.in/

अगड़ी जातियों, दलित, पिछड़ी जातियों और अल्पसंख्यकों की राजनीतिक हिस्सेदारी स्पष्ट दिखाई देती है। आरक्षण के माध्यम से अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों की सीटें निश्चित की गई हैं तथा महिलाओं के लिए भी सीटों के आरक्षण का सुझाव पेश किया गया है।

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न-

प्रश्न 1.
रॉलट एक्ट कब लागू किया गया?
उत्तर:
10 मार्च, 1919 को।

प्रश्न 2.
जलियाँवाला बाग हत्याकाण्ड कब हुआ?
उत्तर:
13 अप्रैल, 1919 को।

प्रश्न 3.
जलियाँवाला बाग में किस ब्रिटिश जनरल ने गोलियाँ चलायीं?
उत्तर:
जनरल डायर ने।

प्रश्न 4.
अंग्रेजों ने राजद्रोह कानून कब लागू किया?
उत्तर:
सन् 1870 में।

प्रश्न 5.
भारत सरकार ने महिलाओं के प्रति घरेलू हिंसा की रोकथाम के लिए कौन-सा कानून बनाया?
उत्तर:
घरेलू हिंसा महिला सुरक्षा कानून।

प्रश्न 6.
राष्ट्रवादियों के बीच किस बात पर पूरी सहमति थी?
उसर:
राष्ट्रवादियों के बीच इस बात पर पूरी सहमति थी कि. स्वतंत्र भारत में सत्ता के मनमाने इस्तेमाल की कोई गुंजाइश नहीं होनी चाहिए।

प्रश्न 7.
स्वतंत्र भारत के संविधान में कानून पर आधारित शासन की स्थापना के लिए सबसे महत्वपूर्ण प्रावधान क्या

https://www.evidyarthi.in/

है?
उत्तर:
कानून के शासन की स्थापना के लिए स्वतंत्र भारत के संविधान में सबसे महत्वपूर्ण प्रावधान यह है कि भारत में सभी लोग कानून की नजर में बराबर होंगे।

प्रश्न 8.
राजद्रोह से आपका क्या आशय है?
उत्तर:
जब सरकार को ऐसा लगता है कि उसके विरुद्ध प्रतिरोध पैदा हो रहा है या विद्रोह किया जा रहा है तो उसे राजद्रोह कहा जाता है।

प्रश्न 9.
"औपनिवेशिक कानून मनमानेपन पर आधारित था।" इसका कोई एक उदाहरण दीजिये।
उत्तर:
1870 का राजद्रोह एक्ट अंग्रेजी शासन के मनमानेपन का स्पष्ट उदाहरण था।

प्रश्न 10.
1870 के राजद्रोह एक्ट की विशेष बात क्या थी?
उत्तर:
अगर कोई व्यक्ति ब्रिटिश सरकार का विरोध या आलोचना करता था तो उसे मुकदमा चलाए बिना ही गिरफ्तार किया जा सकता था।

प्रश्न 11.
नागरिकों की आवाज संसद तक कैसे पहुंचती है?
उत्तर:
नागरिकों की आवाज टी.वी. रिपोर्टों, अखबारों के संपादकीयों, रेडियो प्रसारणों और आमसभाओं के जरिये संसद तक पहुंचती है।

लघूत्तरात्मक प्रश्न-

प्रश्न 1.
रॉलट एक्ट क्या था?
उत्तर:
रॉलट एक्ट अंग्रेजों के मनमानेपन की एक मिसाल था। इस कानून के द्वारा ब्रिटिश सरकार बिना मुकदमा चलाए लोगों को कारावास में डाल सकती थी। महात्मा गाँधी सहित सभी भारतीय राष्ट्रवादी नेता रॉलट एक्ट के खिलाफ थे। भारतीय विरोध के बावजूद 10 मार्च, 1919 को रॉलट एक्ट को लागू कर दिया। पंजाब में इस कानून का भारी पैमाने पर विरोध होता रहा।

प्रश्न 2.
नये कानून के निर्माण में नागरिकों की भूमिका को स्पष्ट कीजिये।
उत्तर:

https://www.evidyarthi.in/

सबसे पहले समाज के विभिन्न समूह ही किसी खास कानून के लिए आवाज उठाते हैं। वे जनता की चिंताओं को कानून के दायरे में लाने के लिए संसद को जागरूक करते हैं। नागरिकों की यह आवाज टेलीविजन रिपोर्टों, अखबारों के संपादकीयों, रेडियो प्रसारणों और आमसभाओं के जरिये सुनी और व्यक्त की जा सकती है। इन सारे संचार माध्यमों के जरिये संसद का कानून निर्माण का कार्य ठोस और पारदर्शी तरीके से जनता के सामने आता है।

प्रश्न 3.
अलोकप्रिय कानून से क्या आशय है?
उत्तर:
अलोकप्रिय कानून-कई बार संसद ऐसा कानून पारित कर देती है जो बेहद अलोकप्रिय साबित होता है। ऐसा कानून संवैधानिक रूप से वैध होने के कारण कानूनन सही हो सकता है। फिर भी वह लोगों को रास नहीं आता क्योंकि उन्हें लगता है कि उसके पीछे नीयत साफ नहीं थी। इसलिए लोग उसकी आलोचना कर व उसका विरोध कर अपनी असहमति व्यक्त करते हैं। जब बहुत सारे लोग यह मानने लगते हैं कि गलत कानून पारित हो गया है, तो ऐसा कानून अलोकप्रिय कानून कहलाता है।

प्रश्न 4.
संसद के नियंत्रण के लिए नागरिकों की भूमिका को समझाइये।
उत्तर:
प्रतिनिधियों का चुनाव करने के बाद नागरिकों को अखबारों और अन्य संचार माध्यमों के जरिए इस बात की नजर रखनी चाहिए कि संसद क्या कर रही है अर्थात् उनके निर्वाचित सांसद क्या कर रहे हैं। अगर नागरिकों को लगता है कि वे सही काम नहीं कर रहे हैं तो नागरिकों को उनकी आलोचना करते हुए सरकार में अपनी भागीदारी को दिखाना चाहिए। इससे संसद सजग और सतर्क रहेगी और अपना काम सही ढंग से करेगी।

https://www.evidyarthi.in/